वीर बली हनुमान का करता हूँ गुणगान

(तर्ज: देना हो तो दीजिये...)

वीर बली हनुमान का करता हूँ गुणगान ,
है माँ अंजनी का लाला , देवों में देव महान

सिया राम के सेवक प्यारे पवन पुत्र बजरंग बली ,
वीरो के है वीर बली और देवों में है महाबली ,
आफत विपदा छट जावै , जो धरता इनका ध्यान

लंकपुरी में जाके हनुमत सीता की सुध लाए थे ,
रातो रात उठा पर्वत लक्ष्मण के प्राण बचाए थे ,
रावण की लंक जलाई , थे वो इतने बलवान

केशरीनंदन है जगवंदन भक्तों के हितकारी है ,
जिसने इनका ध्यान लगाया मेटी विपदा सारी है ,
जो इनकी शरण में जावें , ये कर देते कल्याण

राम लखन के प्राण बचाये अहिरावण को मारा था ,
सागर लांघ गए लंका में वो भी अज़ब नज़ारा था ,
कहे 'देवकीनंदन' वीर बली , थारे चरणों में प्रणाम

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/10555/title/veer-vali-hanumaan-ka-karta-hai-hu-gungaan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |